

**SHRI PARIMAL GHOSH :** There are no such cases where in regard to wharfage and demurrage relief has been given to the extent of 75%. Where there are some genuine difficulties, of course, the question of giving relief in regard to wharfage is considered. But, nowhere we have given 75% relief.

**ब्रिटेन, कनाडा, हालैंड और बेल्जियम को प्रतिनिधिमंडल**

\*699. **श्री रघुबीर सिंह शास्त्री :** क्या वाणिज्य मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि हाल में चार सदस्यों का एक दल भारतीय माल के निर्यात की सम्भाव्यता का पता लगाने के लिये ब्रिटेन, कनाडा, हालैंड और बेल्जियम की 24 दिन की यात्रा पर गया था;

(ख) यदि हां, तो इसके द्वारा प्रस्तुत किये गये प्रतिवेदन की मुख्य बातें क्या हैं; और

(ग) इस सम्बन्ध में सरकार ने क्या कार्यवाही की है ?

**वाणिज्य मन्त्री (श्री दिनेश सिंह) :**

(क) नकली रेशम के वस्त्रों के निर्यात संवर्धन के लिये एक 3 सदस्यीय बिक्री दल 24 दिन की यात्रा पर हाल ही में कनाडा, ब्रिटेन, हालैंड, बेल्जियम, इटली, केन्या और इराक गया था जिसमें एक प्रतिनिधि राज्य व्यापार निगम का था और दो प्रतिनिधि रेयक्स के थे जो कि 'रेशम तथा रैयन निर्यात संवर्धन परिषद' की अनुषंगी संस्था है ।

(ख) बिक्री दल 4 दिसम्बर को वापिस आ गया है और उसके प्रतिवेदन की प्रतीक्षा की जा रही है ।

(ग) अभी यह प्रश्न नहीं उठता ।

**श्री रघुबीर सिंह शास्त्री :** श्रीमन्, क्या इस शिष्टमंडल को अफ्रीका और उसके

पड़ोसी देशों में यह भी शिकायत मिली कि भारत से जो माल जाता है वह देर में तो जाता ही है, वह खराब भी होता है ? जो स्पेसिफिक्स दिए जाते हैं उनके मुकाबले में वह बहुत रद्दी होता है ?

**श्री दिनेश सिंह :** अभी तो रिपोर्ट आनी बाकी है अध्यक्ष महोदय । लेकिन मैं सदन को यह बता दूँ कि उन्होंने काफी वहां पर आर्डर्स बुक किये हैं, 5 करोड़ 70 लाख के करीब के और काफी उनका काम वहां पर सफल रहा है ।

**श्री रघुबीर सिंह शास्त्री :** क्या यह भी ठीक है कि सरकार नाइलोन फैब्रिक्स जो हम एक्सपोर्ट करते हैं उसके मुकाबिले नाइलोन यार्न मंगाने और इसी तरह से वीकोज फैब्रिक्स के मुकाबिले में रैयान जो है उसकी सप्लाय इंटरनेशनल रेट पर करने के लिये कुछ सोच रही है जिससे कि हमारा जो एक्सपोर्ट है वह एन्करेज हो ? ऐसा कोई कमिडरेशन सरकार कर रही है ?

**श्री दिनेश सिंह :** एक्सपोर्ट एन्करेज हो इसके बारे में तो हम देख रहे हैं अध्यक्ष महोदय ।

**श्री प्रकाशवीर शास्त्री :** जो हमारे राज-दूतावासों के साथ हमारे वाणिज्य प्रतिनिधि रहते हैं क्या उनकी क्षमता को इस प्रकार कम माना गया है कि जो इस प्रकार के प्रतिनिधि-मंडल विदेशों में भेजे जाते हैं या किसी तरह से उनके कार्य में कोई न्यूनता है जो इस प्रकार के प्रतिनिधि-मंडलों पर इतना व्यय किया जाता है ? क्यों इस प्रकार के व्यय की आवश्यकता पड़ती है ?

**श्री दिनेश सिंह :** जो हमारे दूतावासों वाणिज्य संबंधी प्रतिनिधि हैं वह वहां पर उस वेध से सम्बन्धित जितने वाणिज्य के काम हैं उनमें बिलचस्पी लेते हैं । यह तो खास कुछ तरह की चीजों को बेचने के लिये यह लोग गए थे और हमेशा इस

तरह के जाने से ज्यादा फायदा होता है । कुछ वहां से नमूने ले जाते हैं और कुछ वहां उनके बारे में ज्यादा बता सकते हैं । वहां पहुंच कर के उस तरह के जो खरीदार हैं उनके पास जाते हैं । यह तरीका बुनिया में बहुत दिन से चल रहा है और इसका एक विशेष लाभ होता है ।

**श्री रवि राम :** यह जो शिष्ट प्रतिनिधि-मंडल गया था उनके जो सदस्य थे, उनके नाम क्या हैं और उनके ऊपर कितना खर्च हुआ है ? यह मैं इसलिये पूछ रहा हूँ कि कहीं यह न हो कि जितना एक्सपोर्ट से रुपया मिले उससे ज्यादा इन प्रतिनिधि-मंडलों के ऊपर खर्चा हो । इस तरह से फिजूलखर्ची बढ़ेगी । इसलिए मैं पूछना चाहता हूँ कि कौन-कौन गए थे और उनके ऊपर कितना खर्चा देश का हुआ है ?

**श्री विनेश सिंह :** मैंने अभी जिक्र किया कि हमारे राज्य व्यापार निगम की तरफ से तो मिस्टर फर्नेन्डीज गए थे और बाकी और जो लोग गये थे उनके नाम पूरे मेरे पास इस समय नहीं हैं । खर्च का भी अभी पूरा अनुमान हमारे पास नहीं है ।

**श्री प्रेम चन्द बर्मा :** मैं मन्त्री महोदय से जानना चाहता हूँ कि यह हमारे जो प्रतिनिधि विदेशों में हैं और जो व्यापार के कार्य को देखते हैं जैसा कि मंत्री महोदय ने कहा है क्या एक्सपोर्ट को बढ़ाने के लिये कोई विशेष कदम उन्होंने उठाये हैं जिन से इन के प्रतिनिधि-मंडलों को भेजने के बजाय जो लोग वहां पर रहते हैं वही इस कार्य को कर सकें ? इस सिलसिले में कुछ रोशनी डालेंगे ?

**श्री विनेश सिंह :** मैंने इसके बारे में जिक्र किया कि वहां जो रहते हैं उनके अलावा भी बीच बीच में ऐसे लोगों के और ऐसे प्रतिनिधि मंडलों के जाने की आवश्यकता पड़ती है और सभी जगह इस तरह से होती है ।

नाम जो इसके पहले मानवीय सदस्य ने पूछे थे मेरे पास कुछ नाम हैं, वह मैं बता दूँ : हमारे राज्य व्यापार निगम से तो मिस्टर फर्नेन्डीज गये थे और सुरेन्द्र मेहता, वाइस-चेयरमन, सिल्क एण्ड रेयान एक्सपोर्ट प्रमोशन कौंसिल, श्री ओ० पी० धावन, डाइरेक्टर ग्राफ रेयक्स और साथ साथ इस मंडल को श्री जयन्ती लाल मोदी ने मदद की थी संयुक्त राज्य अमेरिका में ।

**SHRI S. K. SAMBANDHAN :** In regard to the sending of such delegations abroad, there are complaints that proper people from the trade are not selected but it is left to the whims and fancies of people at the top in the Ministry to select whom they like. What are the criteria by which selections are made for such trade delegations to go abroad?

**SHRI DINESH SINGH :** This delegation was not selected by the Commerce Ministry but by the Export Promotion Council, and the members are from the trade.

#### QUESTION UNDER RULE 40

#### ACTION TAKEN REPORT ON THE THIRTY-SIX REPORT OF PUBLIC UNDERTAKINGS COMMITTEE

1. **SHRI GEORGE FERNANDES :** Will the Chairman of the Public Undertakings Committee be pleased to state :

(a) whether any Action Taken Report has been received from Government on the Thirty-Sixth Report of the Public Undertakings Committee (Third Lok Sabha) on the Indian Oil Corporation;

(b) if not, whether Government have at least intimated if any one or more of the recommendations contained in the Thirty Sixth Report have been implemented; and

(c) if so, which are they?

**THE CHAIRMAN, COMMITTEE ON PUBLIC UNDERTAKINGS (SHRI SURENDRANATH DWIVEDI) :** (a) to (c). Replies to all the 68 recommendations contained in the 36th